

IIT FEST TO GET BIGGER

Namya Sinha

■ namya.sinha@hindustantimes.com

With celebrity presence, acts by international music bands, footfall of over 50,000 people, and participation by over 250 colleges across the country — one of the biggest and most sought after annual college fests, Indian Institute of Technology's (IIT Delhi) Rendezvous 2012, promises to be a grand affair.

“This year, it's bigger than before because we haven't had such a big celebrity presence earlier. We have the entire cast of the movie Chakravyuh coming for the event. Also, for the first time,

IIT Delhi's annual festival – Rendezvous 2012 – will be high on celebrity presence

there will be an outdoor performance by Coke Studio India with musicians like Papon, Shilpa Rao and band Advaita,” says Saurabh Gupta, general secretary of the board for recreational and creative activities.

Actors Manoj Bajpai, Arjun Rampal, Abhay Deol and Esha Gupta are some of the actors who will be present for a youth interaction session. Actor Aditya Kumar, who played Perpendicular in the film, Gangs of Wasseypur, will

also be present at the fest.

For music lovers, there is a whole lot happening here. Confluence, the International Music Festival, will feature international artists and bands such as Tal Kravitz, Solstice Coil, Spanish Raga, and The Riptide Movement.

The most sought-after event by students across various colleges is the annual rock concert - Blitzkrieg (October 21). This year, organic rock band Cypher 16 will be opening the concert.

आ आईटी में एडमिशन के लिए छात्रों को 2013 से नए पैटर्न से परीक्षा देनी होगी। इस बदलाव के अनुसार छात्रों को जाईट एट्रेस एग्जाम (जेईई) देना होगा। जेईई कमेटी ने आईआईटी जेईई 2013 में एक बदलाव कर छात्रों को राहत देने का निर्णय लिया है। कमेटी फेसले के अनुसार आईआईटी में प्रवेश के लिए ऐसे छात्रों को टॉप 20 परसेंटाइल फॉर्मूले से बाहर रखा गया है, जो पिछले साल 12वीं पास कर चुके हैं। ये छात्र पिछले नियमों के आधार पर ही आईआईटी जेईई में शामिल हो सकेंगे। आईआईटी की वेबसाइट पर जारी सूचना के मुताबिक नया नियम सिर्फ फ्रेशर्स पर लागू होगा।

यह छूट सिर्फ आईआईटी के लिए दी जा रही है। एनआईटी व अन्य संस्थानों में प्रवेश टॉप 20 परसेंटाइल के नियम के मुताबिक होगा। ड्रॉप लेने वाले छात्र अगर फिर से 12वीं की परीक्षा देते हैं तो उन पर टॉप 20 परसेंटाइल वाला नियम लागू होगा। नए फॉर्मूले के आधार पर ही उन्हें प्रवेश मिलेगा।

छात्रों का नहीं होगा नुकसान

आईआईटी में एक ही संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई-एडवांस) के जरिये दाखिले के फॉर्मूले पर सहमति के बाद छात्रों को किसी नुकसान से बचाने की कोशिशें शुरू हो गई हैं। जो छात्र इस साल आईआईटी की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) में बैठ चुके हैं और पास नहीं हुए हैं, उन्हें टॉप 20 परसेंटाइल के मानक को हासिल करने के लिए अगले साल इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा (12वीं) में बैठने का एक और मौका मिलेगा जबकि केंद्र सरकार ने नए फॉर्मूले पर राज्यों से उनकी राय लेने की कोशिश शुरू कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक आईआईटी में दाखिले के लिए इंटरमीडिएट बोर्ड में टॉप 20 परसेंटाइल फॉर्मूले पर अमल के तहत पूरी कोशिश छात्रों को नुकसान से बचाने की है। आईआईटी में प्रवेश परीक्षा के लिए छात्रों को अभी दो मौके मिलते हैं।

जो छात्र इस साल जेईई में बैठने के बाद भी दाखिले से वंचित रह गए हैं, उन्हें अगले साल (2013) में एक मौका और मिलना चाहिए। लिहाजा नए फॉर्मूले के तहत बोर्ड में टॉप 20 परसेंटाइल हासिल करने के लिए उन्हें इंटरमीडिएट परीक्षा में बैठने का एक

आईआईटी जेईई 2013-बदलाव से मिलेगा फायदा

जो छात्र इस साल जेईई में बैठने के बाद भी दाखिले से वंचित रह गए हैं, उन्हें अगले साल (2013) में एक मौका और मिलना चाहिए। लिहाजा नए फॉर्मूले के तहत बोर्ड में टॉप 20 परसेंटाइल हासिल करने के लिए उन्हें इंटरमीडिएट परीक्षा में बैठने का एक मौका और दिया जाएगा। पैटर्न में आए बदलाव से छात्र तो उत्सुक हैं ही, शिक्षण संस्थानों के भी इस बारे में अलग-अलग राय सामने आ रहे हैं।



मौका और दिया जाएगा।

राज्य सरकारों से संपर्क शुरू

कार्डिनल ने तय किया है कि सभी राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड अगले साल हर हाल में 10 जून तक अपने नतीजे घोषित कर देंगे जबकि ग्रेजुएट स्तर पर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में दाखिले के मद्देनजर 30 जून से पहले पुनर्मूल्यांकन आदि की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। सूत्रों के मुताबिक मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल और अधिकारियों ने आईआईटी समेत दूसरे केंद्रीय इंजीनियरिंग शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए एकल परीक्षा के नए फॉर्मूले पर राज्य सरकारों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। सिब्बल ने कुछ मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। सिब्बल ने केब की पिछली बैठक में ही राज्यों को 30 जून तक राय देने को कहा था।

'गरीब विरोधी प्रस्ताव'

पटना में आईआईटी की प्रवेश परीक्षा के लिए गरीब बच्चों को मुफ्त-तेयारी कराने वाले सुपर 30 के संचालक आनंद कुमार के अनुसार 12वीं की परीक्षा में प्राप्त अंकों को आईआईटी जेईई में महत्त्व दिए जाने का प्रस्ताव "गरीब विरोधी" है। आनंद कुमार के अनुसार इस कदम की वजह से केवल अति संपन्न वर्ग के बच्चे ही आईआईटी की परीक्षा में पास होंगे।

क्या है प्रस्ताव

मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश बोर्ड के बच्चों को बहुत ही कम अंक मिलते हैं जबकि गोवा और महाराष्ट्र जैसे बोर्डों के बच्चों को सो फीसदी तक अंक आते हैं। केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री कपिल सिब्बल ने घोषणा की थी कि केंद्र सरकार या प्रयास करेगी कि देश के सभी शिक्षा बोर्डों के अंकों और प्रवेश परीक्षा के अंकों को न्यायपूर्ण तरीके से आंकने के लिए कोई एक पद्धति खोजी जाएगी। ऐसा प्रस्ताव किया गया कि आईआईटी में दाखिले के लिए 40 फीसद

परीक्षा तैयारी बुनियाद

महत्त्व 12 वीं कक्षा के अंकों को दिया जाएगा उसके 30-30 फीसद महत्त्व जेईई की मेन और एडवांस परीक्षाओं में आए अंकों को दिया जाएगा। आनंद कुमार कहते हैं कि मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश बोर्ड के बच्चों को बहुत ही कम अंक मिलते हैं जबकि गोवा और महाराष्ट्र जैसे बोर्डों के बच्चों को सो फीसद तक अंक आते हैं।

'असमानता बढ़ेगी'

आनंद कुमार बताते हैं कि बिहार बोर्ड की परीक्षा में 60 फीसद अंक लाने वाले बच्चे उनके यहां पढ़ कर आईआईटी में ना केवल दाखिले हुए हैं बल्कि दुनिया भर के सर्वोत्तम विश्वविद्यालयों में पढ़ा भी रहे हैं। वो कहते हैं कि एक रिक्शे वाले का, सब्जी वाले का बच्चा जो कि ऐसे स्कूल से आता है जहां ना शिक्षक है, ना बैठने को कमरा और पढ़ने को

किताब वो बच्चा तो कभी आईआईटी के अंदर जा ही नहीं पाएगा। आईआईटी दिल्ली से हाल ही में पढ़ कर निकले और अब बंगलोर में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम कर रहे पीयूष वर्मा भी आनंद कुमार की बात का समर्थन करते हैं। पीयूष वर्मा कहते हैं कि आईआईटी भारत के सर्वश्रेष्ठ संस्थान इसलिए हैं क्योंकि वहां की प्रवेश परीक्षा में 12 वीं के अंकों का महत्त्व नहीं है। अगर यह हुआ तो बचपन में ही यह तय हो जाएगी कि कौन आईआईटी जाएगा और कौन नहीं।

एग्जाम की टेंशन से बढ़ेंगे मार्क्स

अगर आपके एग्जाम चल रहे हैं या आने वाले हों तो आप इसका टेंशन लेना शुरू कर दें, क्योंकि आप जितना एग्जाम का टेंशन लेंगे उतना अधिक आपको मार्क्स मिलेंगे। परीक्षा में बैठने से पहले चिंतित होना कोई नई बात नहीं है लेकिन एक अध्ययन कहता है कि इस चिंता से परीक्षा में आपके ग्रेड सुधर सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि चिंतित होने का बुरा प्रभाव नतीजों पर तभी पड़ता है जब बच्चे की याददाश्त कमजोर हो।

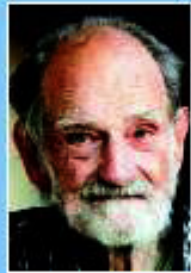
बीबीसी न्यूज की खबर के अनुसार अगर बच्चे की याददाश्त अच्छी है तो परीक्षाओं से पहले उसका चिंतित होने अच्छे अंक दिलाने में मददगार हो सकती है। इस शोध में 12 वर्ष से 14 वर्ष की उम्र वाले कुल 96 बच्चों के याददाश्त और चिंता के परीक्षण किए गए। शोध की प्रश्नावली के जरिए बच्चों में घबराहट और कम्प्यूटरीकृत परीक्षाओं में उनके परिणामों का अध्ययन किया गया। इन कम्प्यूटरीकृत परीक्षाओं में कुछ जटिल या याददाश्त आधारित सवाल थे। शोधकर्ताओं ने कहा कि हमने पाया कि जिन बच्चों में याददाश्त कमजोर और चिंता ज्यादा थी, उनके परीक्षा परिणाम खराब थे। तेज याददाश्त वाले बच्चों में यह बिलकुल उलट था। उनमें चिंता बढ़ने पर परीक्षा के अंक ज्यादा थे। इस अध्ययन के परिणाम ब्रिटिश मनोवैज्ञानिक पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं।

IIT will make a real difference

Kerala Congress leaders have been publicly voicing their differences with the party's central leadership over the introduction of foreign direct investment (FDI) in the retail sector. So, as part of a move to both mend fences and create a lobby of supporters for FDI, the PMO, led by TKA Nair, is now trying to see if the Centre can start an IIT in the state. State leaders — both in the UDF and the LDF — have been demanding an IIT for some years now, but the Planning Commission decided against it. Kerala already has an IIM in Kozhikode. But with a little bit of luck, and a pinch of politics, it may just get an IIT too. The detail before the retail.

Match-making duo bags Nobel in economics

WINNING THEORY



LLOYD SHAPLEY



ALVIN ROTH

The Royal Swedish Academy of Sciences cited Americans Alvin Roth of Harvard University and Lloyd Shapley, professor emeritus at the University of California, Los Angeles, for 'the theory of stable allocations and the practice of market design'

► Their research focuses on the problem of matching different agents in a market – doctors with hospitals, students

with schools and human organs with transplant recipients – in situations where prices aren't the deciding factor

Stockholm: Two Americans were awarded the Nobel economics prize on Monday for studies on the match-making taking place when doctors are coupled up with hospitals, students with schools and human organs with transplant recipients.

The work of Alvin Roth and Lloyd Shapley has sparked a "flourishing field of research" and helped improve the performance of many markets, the Royal Swedish Academy of Sciences said. Roth, 60, is a professor at Harvard University in Boston. Shapley, 89, is a professor emeritus at University of California LA.

"This year's prize concerns a central economic problem: how to match different agents as well as possible," the academy said.

Shapley made early theoretical inroads into the subject, using game theory to analyze different matching methods in the 1950s and '60s. Together with US econ-







omist David Gale, he developed a mathematical formula for how 10 men and 10 women could be coupled in a way so that no one would benefit from trading partners. While that may have had little impact on marriages and divorces, the algorithm they developed has been used to better understand many different markets.

In the 1990s, Roth applied it to the market for allocating US student doctors to hospitals. He developed a new algorithm that was adopted by the National Resident Matching Program, which helps match resident doctors with the right hospitals.

"Even though these two researchers worked independently, the combination of Shapley's basic theory and Roth's empirical investigations, experiments and practical design has generated a flourishing field of research and improved the performance of many markets," the academy said. AP

Engineer rush in CAT forces rethink on test

67.6% Aspirants Engineers

RUNNING THE CAT RACE		REGISTERED CANDIDATES	
		2012	2011
		2.14L	2.05L
WOMEN		MEN	
2012	2011	2012	2011
60,876	56,050	1.53L	1.49L
CANDIDATE BACKGROUND			
2012		2011	
 ENGINEERS	 CAs	 ARCHITECTS	
1.44L 1.31L	47 35	208 174	
 AGRICULTURE GRADS	 HUMANITIES GRADS	 DOCTORS	
919 840	3,404 3,780	486 566	
CATEGORIES			
2012			
GENERAL	NON-CREAMY OBC	SC/ST	
1,68L	28,403	16,691	

Manash Pratim Gohain | TNN

New Delhi: This year 67.6% of the CAT aspirants are from engineering background, an increase of over five percentage points from the 2011 edition. And with a further dip in applicants from disciplines like arts, humanities and medical sciences, the IIMs are now taking a relook at the Common Admission Test (CAT) to offer a level playing field to candidates from other disciplines.

"To an extent it's true engineers are at an advantage, but only partly as 50% of the test also has verbal ability. But yes, going by the data and with fewer candidates coming from arts and humanities, efforts are on to take a re-look at CAT," said CAT 2012 convenor SSS Kumar.

This year, of the 2,14,068 candidates who have registered for the test, 1,44,760 are engineers, whereas 3,404 are from humanities. Last year, 62.2% candidates were engineers.

Stating that there will be changes in the CAT 2013, the specifics of which will be released later after the decisions are finalized, director of IIM-Kozhikode, Debashis Chatterjee said efforts are on to get talents from across disciplines.

"It's a pity that we are missing out on some of the best talents present among those in humanities. At present, we are answering to the geo-political reality of India, but we are deliberating as to how the test will have to change," said Chatterjee. IIM-Kozhikode is conducting the CAT this year on behalf of the 13 IIMs.

Otherwise, CAT 2012 is much more inclusive with increase in female candidates, SC/ST and non-creamy OBC and aspirants from agriculture, CA, architecture, pharmacology registering for the test. Another trend this year is a significant increase (43%) of aspirants with two to three years of work experience.

While the general category has registered an increase of 2.2%, the combined increase in the number of registration for non-creamy OBC, SC and ST as against 2011 is 4.7%. "The positive thing about CAT 2012 is that it has become more inclusive. The significant 4.2% increase in registration is a positive sentiment despite the gloom. This growth is not a small thing if we put this in context to the 62% decline in interest in MBA programmes in the US," said Chatterjee.

IIMs' entry test to go global soon

THE internationalisation of the Common Admission Test (CAT) may not be too far. The IIMs are interested to take this test abroad next year, but a final call will only be taken in November after CAT 2012 ends.

According to Prof. Debashis Chatterjee, director of IIM-Kozhikode, the 13 premier B-schools are now keen to "access merit across the globe".

"We know that we are losing the opportunity to get the best talent abroad. But whether we go global will depend on if our reasons are strong enough and also it has to be a collective decision," he said, adding that the B-schools will also consider the idea of conducting the exam more than once in a year.

The IIMs first announced their intention in 2010, but not much progress has happened on that front as the institutes were waiting for the computer-based test to stabilise.

Ritika Chopra/New Delhi

More women, professionals seek to bell the CAT this year

HT Correspondent

■ htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The number of women applying for the Common Admission Test (CAT) has gone up by 8.6 per cent as compared to last year, taking the number of woman applicants to almost 61,000.

The IIMs had, earlier this year, said that they would want their campuses to be more inclusive and would encourage more women to apply. Some IIMs such as IIM Rohtak and IIM Raipur said they would award more marks to women applicants.

Many IIMs had also said he would want more people from backgrounds other than engineering to apply. This, however, did not have much of an impact as the number of applicants with an engineering background increased by more than 12,000 — an increase of 8 per cent as

UPWARD TREND

- The number of women applicants has gone up by 8.6 per cent this year
- A total of 61,000 women have applied for the test this year
- The number of test takers with 2-3 years of work experience went up by 43 per cent
- Applicants from OBC category went up by 3.3 per cent while those from SC/ST by 7.8 per cent
- Delhi has highest registered students at 21,507

compared to last year.

The number of applicants from humanities and commerce, meanwhile, came down by 700.

“Efforts are on to have a relook at the Common Admission Test (CAT). We will

try to introduce some changes that will be helpful for people from disciplines other than engineering,” said SSS Kumar, CAT 2012 convener and professor at IIM Kozhikode.

In a trend that Kumar termed “positive”, more people with work experience applied for CAT this year. There is an increase of 43 per cent in the test takers with 2-3 years of work experience.

Registrations under the OBC category went up from 3.3 per cent of the total registrations last year to 13.3 per cent this year. Registrations under the SC/ST categories have also gone up by 7.8 per cent.

“The shift in candidate pool in terms of gender and social balance is a positive indication that our society is becoming more aware of the opportunities that are available,” he said.

CAT for IIMs to be revised to make it more inclusive

Aarti Dhar

NEW DELHI: Concerned over the low representation of aspirants from disciplines other than engineering, the Indian Institutes of Management (IIMs) are considering a change in the admission pattern and syllabus to make the Common Admission test (CAT) more inclusive.

"We are concerned about the low representation of aspirants from disciplines like humanities and fine arts, and are in the process of ascertaining what can be done by way of policy change to address this," the Director of IIM Kozhikode, Debashis Chatterjee, told reporters here.

Refusing to set any time frame and divulge the nature of changes, he said the 13 IIMs were in talks to ascertain the best possible way to bring about changes that would be helpful for those from other disciplines. "A lot has to be done, but the IIMs are taking baby steps because we are conscious of the burden of responsibility on us, the implications it would

have and the need to build a consensus."

The latest figures available at the end of closure of registration process for CAT 2012 suggest that 67 per cent were from the engineering background with a sprinkling of those from agriculture, architecture, pharmacology, chartered accountants and qualified doctors. "There has been a decline in those holding BBA or BBM degrees, which indicates that these students are getting jobs," CAT 2012 Convener S.S.S. Kumar said.

The IIM Kozhikode is coordinating CAT 2012. Prometric, provider of test development and test delivery solutions, is the IIMs partner in this endeavour. CAT is being conducted across 36 cities from October 11 to November 6 at 61 venues.

Last year, 3,780 candidates were from the humanities and arts discipline. This year, it had decreased to 3,404. Similarly, the number of doctors came down from 566 to 486.

The total number of registered candidates this year is 2,14,068, representing a 4.2 per cent increase over last year. This indicates a sharp rise in the number of girls with an increase by 8.6 per cent over last year, compared to the registration of boys, which has increased by 2.6 per cent. This figure comes in the backdrop of the global trend, which has seen a decline in the management studies.

The category-wise break-up of registration reveals a notable increase in participation from non-creamy Other Backward Classes (17.3 per cent), Scheduled Castes (5 per cent) and Scheduled Tribes (7.4 per cent), indicating healthy growth from all categories.

"These are not mere figures but suggest that applicants from smaller towns are aspiring to reach the IIMs. There has been an increase of 12.7 per cent in the applicants from underprivileged categories and 7 per cent students are from these categories," Professor Chatterjee said.

CAT to offer level playing field

IIMs mull changes to check dominance of engineering students

NEW DELHI: Although students with an engineering background form the majority of CAT-takers, Indian Institutes of Management are planning to change the Common Admission Test format for a wider representation, said CAT 2012 convener SSS Kumar from IIM-Kozhikode here on Monday.

“Efforts are on to have a relook at the CAT and bring some changes that will be helpful for people from other disciplines,” said Kumar, adding that the plans are at the initial stage. IIM-Kozhikode director Debashis Chatterjee said the aim is to have a broad-based talent pool across disciplines consisting of the best minds.

Kumar said this year 1.44



This year, the number of female CAT applicants was 8.6 per cent more than that of last year. DH PHOTO

lakh CAT candidates are from engineering background. There has been some increase

in the percentage of candidates coming from Agriculture (919 candidates), Architecture (974

candidates), Pharmaceutical Science (1,470) and Chartered Accountancy (47).

There is a drop in the number of candidates from Humanities background, from 3,780 in 2011 to 3,404 in 2012. There was some drop in the percentage of candidates from medical background.

The total number of candidates registered for CAT 2012 is 2,14,068 compared to 2,05,345 in CAT 2011 — a rise of 4.2 per cent.

This year, CAT saw an 8.6 per cent increase over the last year in the number of female candidates, and an increase of 2.6 per cent among male candidates. An increase in the number of candidates from the reserved category is also seen this year, with 17 per cent of the

total from the Non-Creamy Other Backward Classes (NC-OBC), 5 per cent Scheduled Castes (SC) and 7.4 per cent Scheduled Tribes candidates. “The percentage indicates healthy growth in CAT takers in all sectors,” said Kumar.

A new trend that is seen this year is that 43 per cent of test-takers have up to three years of work experience: “Till last year, a majority of test-takers were either freshers or with work experience less than six months,” said Kumar. The higher number of experienced candidates indicates that the economy is going to improve over the next two to three years, he added. CAT 2012 started on October 11 and will continue till November 6.

DH News Service